Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

J–7007

PAPER – III

TRIBAL & REGIONAL LANGUAGE - LITERATURE

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

TRIBAL & REGIONAL LANGUAGE - LITERATURE

जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा - साहित्य

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंको का है एवं इसमें चार (4) खंड हैं। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Go through the following passage and answer the following questions :

"Sadan society and culture, distinct from a uniform group or community, are an integrated collective culture in which one can easily see the distinctiveness of unity in diversity. Various social and cultural elements fo a specific geographical and historical environment through a long association have mingled in such a manner that it is often difficult to distinguish. Yet, if there is one element most clearly discernable in the composite identity of the Sadan society and culture, that its 'Aryanness' and 'Adivasiness' which is reflected in its total existence and activities. The refined nature of Shakuntala brought up by sase Kanwa is its incomparable distinctiveness. As the environment of Tibbat or Bengal has an unfailing impact on the communities that have gone there form outside and have settled there for several generations , it was impossible for any social or religious group coming to the Jharkhand region to be unaffected by the Adivasi society existing there particularly when their predominance was unchallenged and they controlled , ruled and regulated everything. The personality and distinctiveness of the core-group of the illustrous Nag community and its associates some two thousand years ago having developed in this environment must have been the foundation of the sadan society. Thus it can be imagined from the facts mentioned earlier, this amazing cultural distinctiveness must have taken its roots in the Narmada and Vindhya vallies with the coming together of the Nag, Dravida and Austric communities before their coming to the Jharkhand region."

निम्नलिखित उद्धरण का अध्ययन करें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें :

सदान समाज और संस्कृति किसी एक जाति या कबीला की समग्र समरूपता से भिन्न एक ऐसी समन्वित सामुदायिक संरचना है जिसमें विविधता के बीच एकती की विशिष्टता सहज ही परिलक्षित होती है। एक ही विशिष्ट भौगोलिक एवं ऐतिहासिक परिवेश में दीर्घकालीन सन्निवेश के कारण इसमें विभिन्न प्रजातीय एवं सांस्कृतिक तत्त्व कुछ इस तरह घुलमिल गये हैं कि उन्हें बहुधा पहचानना कठिन हो जाता है। तब भी, सदान

समाज और संस्कृति की समन्वित पहचान में अगर कोई तत्व प्रखर रूप से प्रतिभासित होता है तो वह है 'आर्यपन' और 'आदिवासीपन' जो इनके संपूर्ण अस्तित्व और क्रिया-व्यापारों में प्रतिबिंबित है। कण्व आश्रम में पली शकुन्तला की परिष्कृत नैसर्गिकता इसकी अद्वितीय विशेषता है। जिस तरह बंगाल या तिब्बत में कई पीढ़ियों तक बस जाने वाले किसी इतर समुदाय पर वहाँ का परिवेश अपना प्रभाव डाले बिना नहीं रह सकता, उसी तरह झारखंड क्षेत्र में आ कर सदा के लिए बस जाने वाले किसी जाति या धर्म से जुड़े समुदाय को यहाँ के जीवंत आदिवासी समाज के गुण-दोषों, वैशिष्ट्यों से अप्रभावित रहना संभव नहीं था, खास कर तब जब कि यहाँ उनका वर्चस्व था, यहाँ की एक-एक वस्तु पर उनका नियंत्रण और अनुशासन था। आज से कम से कम दो हजार साल पहले तेजस्वी नाग जाति और उनसे संबद्ध लोगों को केन्द्रीय दल का व्यक्तित्व, सांस्कृतिक वैशिष्ट्य, इसी परिवेश में विकसित हो कर सदान समाज की आधारशिला बना होगा। वैसे, पूर्व निर्दिष्ट तथ्यों से अनुमान किया जा सकता है कि झारखंड में प्रवेश के पूर्व नर्मदा घाटी और बिन्ध्य घाटी में ही आर्यों का एक कबीला (नाग, नागवंश) और द्रविड़ तथा ऑस्ट्रिड प्रजातियों के संगम से इस विलक्षण सांस्कृतिक वैशिष्ट्य का सूत्रपात हुआ होगा।

1. Give a suitable heading to the above passage. Jastify the appropriateness of the heading.
उपर्युक्त उद्धरण को एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए। शीर्षक की उपयुक्तता प्रमाणित कीजिए।

2. What is the most discernable element of the Sadan society and culture ? How is it comparable to the character of Shakuntala ?

सदान समाज और संस्कृति का सबसे प्रखर रूप से प्रतिभासित तत्त्व क्या है? शकुन्तला के चरित्र से इसकी तुलना क्यों की गयी है?

3. What could be said to be the foundation stone of the Sadan society and culture ?

सदान समाज और संस्कृति की आधारशिला क्या बतायी जा सकती है?

4. What is the reason behind the growth of a composite culture in the Jharkhand region ?
झारखंड क्षेत्र में सदान समाज और संस्कृति के समन्वित विकास का क्या कारण है?

5. How must have this amazing cultural distinctiveness developed ?
झारखंड में विलक्षण सांस्कृतिक वैशिष्ट्य का सूत्रपात कैसे हुआ होगा?

SECTION - II
खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions, each to be answered in Hindi, English, Bengali or Oriya in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. **(5x15=75 marks)**

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5 - 5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी, बंगला या उड़िया में लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। **(5x15=75 अंक)**

6. Define Ethnology.
जाति-विज्ञान की परिभाषा बताइए।

7. Classify the inhabitants of Jharkhand.
झारखंड के निवासियों का वर्गीकरण कीजिए।

8. What are the benefits of Industrialization in Jharkhand ?
झारखंड में औद्योगीकरण से क्या लाभ हुआ है?

9. What is the utility of Linguistics ?
भाषा-विज्ञान की क्या उपयोगिता है?

10. What are the main branches of Linguistics ?
भाषा-विज्ञान के मुख्य विभाग कौन-कौन से हैं?

11. Describe the main achievements of any one grammarian of your language.
आपकी भाषा के किसी एक व्याकरण-विद की प्रमुख उपलब्धियों का वर्णन कीजिए।

12. Describe the main reasons of the importance of Kabir or Tulsi in Indian literature.
भारतीय साहित्य में तुलसी या कबीर की महत्ता के मूल कारणों का उल्लेख करें।

13. Show your aquaintance with the main features of the nationalist or progressive literature.
राष्ट्रवादी या प्रगतिवादी साहित्य की मुख्य विशेषता बताइए।

14. Give names of five famous writers or poets of modern Indian literature.
आधुनिक भारतीय साहित्य के पाँच प्रसिद्ध लेखकों या कवियों के नाम बताइए।

15. Describe the main elements of literature.
साहित्य के मूल तत्त्वों का उल्लेख करें।

16. Define any one 'Alankar' and give example.
किसी एक अलंकार की परिभाषा और उदाहरण दीजिए।

17. What is the main purpose of main literature and why ?
साहित्य का मुख्य प्रयोजन क्या है और क्यों?

18. What is the main difference between Folk-literature and Modern-literature ?
लोक साहित्य और आधुनिक साहित्य में मुख्य अंतर क्या है?

19. Illustrate the meaning of Folk-mind and Motif.
लोक-मानस या कथानक रूढ़ि का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

20. Describe lullaby or ritual song in brief.

लोरी अथवा अनुष्ठान गीत का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

SECTION - III
खण्ड – III

Note : **This section contains five (5) questions from each of the electives/specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in Hindi, English, Bengali or Oriya in about two hundred (200) words.**

(5x12=60 marks)

नोट : **इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचों प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी, बंगला या उड़िया में लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।**

(5x12=60 अंक)

21. Give a short outline of the development of your language.

अपनी भाषा के विकास की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए।

22. Show your aquintance with any one ancient poet of your language in whose poetry devotion to God or social reform is the main feature.

अपनी भाषा के किसी एक पुराने कवि का परिचय दीजिए जिनकी रचनाओं में भक्ति या समाज-सुधार की भावना प्रस्तुत हो।

23. Show your aquintance with the poetical charateristics of any one modern poet of your language.
अपनी भाषा के किसी एक आधुनिक कवि की काव्यगत विशेषताएँ बताइए।

24. Show your aquintance with any one dramatist or novelist of your language.
अपनी भाषा के एक नाटककार या उपन्यासकार का परिचय दीजिए।

25. Write a critical appreciation of a short story or song of your language.
अपनी भाषा की किसी एक लघु-कथा या गीत की समीक्षा कीजिए।

SECTION - IV
खण्ड – IV

Note : **This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in own language (Nagpuri, Mundari, Kudukh etc.) about one thousand (1000) words on any of the following topics.**

(1x40=40 marks)

नोट : **इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर अपनी भाषा में (नागपुरी, मुंडारी, कुडुख आदि) लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।**

(1x40=40 अंक)

26. Throw light in detail on any one of the following subjects –

(a) Impact of modernism in the folk-song of your language.

(b) Main trends of modern literature of your language.

निम्नलिखित विषयों में किसी एक पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

(a) आपकी भाषा के लोकगीतों में आधुनिकता का प्रभाव।

(b) आपकी भाषा के आधुनिक साहित्य की मूल प्रवृत्तियाँ।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....